पाठ-12

परमेश्वर आपको क्षमा करेगा और आपकी सहायता करेगा

परमेश्वर के बारे में यह सीखें :

परमेश्वर की आशीष भोजन से उत्तम है।
परमेश्वर याकूब को क्षमा करता और उसे आशीष देता है।
परमेश्वर ने स्वर्ग जाने के लिए आपके लिए एक मार्ग तैयार किया है।
"मैं क्षमा चाहता हूँ," यह कहने में परमेश्वर आपकी सहायता करेगा।

इसे अपनी बाइबल में से पढ़ें

इसे पाँच बार ज़ोर-ज़ोर से पढ़ें :

"मैं यहोवा परमेश्वर हूँ–मैं तेरे संग रहूंगा और जहाँ कहीं तू जाए वहाँ तेरी रक्षा करूंगा।" उत्पत्ति 28:13, 15. यीशु ने उससे कहा, "मार्ग मैं हूँ।" यूहन्ना 14:6.

क्या आप यह कर सकते हैं ?

नीचे दिये गये प्रश्नों में से कुछ प्रश्न पिछले पाठों के हैं। आप जितने प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं दीजिए :

1. कौन मरे बिना स्वर्ग पर गया ? .....
2. जहाज़ किसने बनाया था ? .....
3. किसने अपने भाई की हत्या की थी ? .....
4. भोजन से क्या उत्तम है ? .....

उत्तर

1. हनोक 2. नूह 3. कैन 4. परमेश्वर की आशीष

परमेश्वर की आशीष भोजन से उत्तम है

चिन्ह के प्रत्येक शब्द को रेखांकित करें :

इसहाक की पत्नी रिबका थी।
इसहाक और रिबका परमेश्वर से प्रेम करते थे।
परमेश्वर ने उन्हें जुड़वाँ बच्चे दिए : एसाव और याकूब।

एसाव एक शिकारी था।
एसाव का जन्म याकूब से पहिले हुआ था। *यह उसका अधिकार था कि वह परमेश्वर से विशेष आशीष प्राप्त करे।*
यह पहिलौठे पुत्र का जन्मसिद्ध अधिकार था।
परन्तु एसाव को परमेश्वर से प्राप्त होने वाली आशीषों से अधिक भोजन प्रिय था। एसाव ने परमेश्वर से प्रेम नहीं किया।
उसने तो अपने आप से प्रेम किया।
एसाव ने एक कटोरा मसूर की दाल पाने हेतु अपना जन्मसिद्ध अधिकार याकूब को बेच दिया।
बाद में एसाव पछताया कि उसने परमेश्वर से प्राप्त होने वाली आशीषों को बेच दिया था।
चाहे कितना अधिक भोजन क्यों न हो परन्तु परमेश्वर की आशीष इन सबसे उत्तम है।

परमेश्वर याकूब को क्षमा करता है और उसे आशीष देता है।

याकूब ने अपने परिवार के साथ कुछ बुरी बातें की थीं।
उसने अपने पिता से झूठ बोला और अपने भाई को धोखा दिया।
उसने एसाव का जन्मसिद्ध अधिकार खरीद लिया और उसकी आशीषों को चुराया।

*परन्तु जो भी हो परमेश्वर ने
याकूब से प्रेम किया।*
एसाव याकूब को मार डालना
चाहता था। याकूब को एसाव से बचने
के लिए अपना घर छोड़कर दूर देश
को जाना पड़ा।
मार्ग में परमेश्वर ने एक स्वप्न में याकूब से
बातचीत की। याकूब ने एक सीढ़ी देखी जो पृथ्वी
से स्वर्ग तक पहुँचती थी।
परमेश्वर ने याकूब को आशीष देने की प्रतिज्ञा की।
जब याकूब नींद से जागा तो प्रसन्न था।
परमेश्वर ने उससे अभी भी प्रेम किया।

परमेश्वर उसके कामों के लिए क्षमा कर सकता था जो उसने किए थे।
परमेश्वर उसके संग-संग चल सकता था और सही काम
करने में उसकी सहायता कर सकता था।
*याकूब जानता था कि ऐसा तब होगा यदि वह परमेश्वर के पीछे हो ले,
परमेश्वर किसी न किसी दिन उसे स्वर्ग ले जा सकता था।*

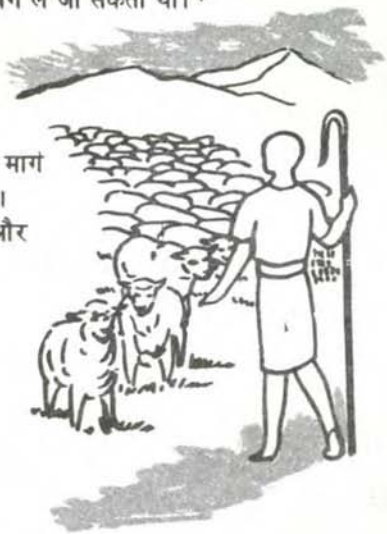

*स्वर्ग में जाने के लिए परमेश्वर
ने आपके लिए एक मार्ग तैयार किया
है।* स्वर्ग जाने के लिए योशु ही वह मार्ग
है। आपको बचाने के लिए यीशु मरा।
अपने जीवन भर यीशु के पीछे चलें और
वह आपको स्वर्ग को ले जाएगा।
*परमेश्वर ने याकूब की चिन्ता
की (सुधि ली)।*
याकूब चरवाहा (भेड़ चराने वाला)
बन गया।
उसके पास बहुत सारी
भेड़-बकरियाँ थीं।
परमेश्वर ने याकूब को एक
परिवार भी दिया।

"मैं क्षमा चाहता हूँ," यह कहने में परमेश्वर याकूब की सहायता करता है।

अन्त में परमेश्वर ने याकूब से वापस घर जाने को कहा। परन्तु एसाव अब भी याकूब को मार डालना चाहता था। एसाव 400 पुरुषों को लेकर याकूब से मिलने को चल पड़ा। याकूब ने जो कुछ एसाव के साथ किया था उसके लिए वह पछताया।

याकूब चाहता था कि उसका भाई उसे क्षमा कर दे। *सहायता पाने के लिए याकूब ने परमेश्वर से प्रार्थना की। * परमेश्वर ने याकूब को क्षमा कर दिया और उसे इस्राएल नाम दिया। *परमेश्वर ने याकूब की सहायता की कि वह एसाव को दिखा सके कि वह अपने किये पर पछताया है।* परमेश्वर ने एसाव की सहातया की कि वह याकूब को क्षमा कर दे तब फिर से दोनों भाई अच्छे मित्र बन गये।

"मैं क्षमा चाहता हूँ," यह कहने में परमेश्वर आपकी सहायता करेगा। क्यों कि आप बुरे थे इसके लिए क्या कभी आप दुखित हुए? हो सकता है आपने किसी के साथ बुरा व्यवहार किया हो। आप चाहते हैं कि परमेश्वर आपको क्षमा करे और आशीष दे। आपको परमेश्वर से कहना चाहिए कि मैं क्षमा चाहता हूँ। परन्तु जिस जन के साथ बुरा व्यवहार किया और उसे दु:ख पहुँचाया, उससे भी कहना चाहिए "मैं क्षमा चाहता हूँ।"

*परमेश्वर आपको क्षमा करेगा और आपकी सहायता करेगा। * वह आपकी सहायता करेगा कि आप दूसरों के फिर से मित्र बन सकें।

इस प्रार्थना को याद कर लें :
हे प्रभु, मैं प्रार्थना करता हूँ कि दूसरों के साथ मैंने जो बुरा व्यवहार और ग़ल्तियाँ की हैं उन सबके लिए क्षमा करें। मेरी सहायता करें कि मैं उनसे यह क़ह सकूं "मैं क्षमा चाहता हूँ।" आज हमें फिर से मित्र बना दें।